

वकील प्रार्थी के प्रार्थना पत्र के सम्बन्ध में एक पक्षीय बहस सुनी गई। पत्रावली का गहनता से अवलोकन किया गया तो प्रकरण प्रथम दृष्टया, सुविधा का सन्तुलन प्रार्थी के पक्ष का प्रतीत होता है तथा अपूर्णीय क्षति प्रार्थी को होने की संभावना है। अतः अप्रार्थीगण को आगामी तारीख पेशी तक जरिए अस्थायी निषेधाज्ञा पाबन्द किया जाता है कि वह तहसील अनूपगढ़ की वादग्रस्त कृषि भूमि वाके चक 4 एस एस एम का मु.नं.-27 प.नं.-26/35 का कि.नं.-1/2, 2, 3, 8, 9, 10/2, 11/2, 12, 13, 18, 19, 20/2, 21/2, 22, 23 व मुरब्बा नं.-30 पत्थर नं.-26/59 का किला नं.-1/2, 1/3, 2/1, 2/2, 3/1, 3/2, 4/1, 4/2, 5/1, 5/2, 6/1, 6/2, 7 इस प्रकार दोनो मुरब्बो में कुल कृषि भूमि 5.4140 हैक्टर कृषि भूमि पर आगामी तारीख पेशी तक प्रार्थी के हिस्से तक रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाकर रखें।

सम्बन्धित को तहरीर/सूचना जारी हो। वकील प्रार्थी, अप्रार्थीगण की तलबी हेतु तलवाना नोटिस रजि. ए. डी. के पेश करे। बहस हेतु अवसर मागने पर एतराज होने पर यह स्थगन आदेश निरस्त करने पर विचार किया जा सकेगा। रजि. ए.डी. नोटिस पेश नहीं करने की स्थिति में न्यायालय के द्वारा सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 9 नियम 5 एवं राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 63 (1) के तहत प्रार्थना पत्र खारिज किया जाकर अस्थायी निषेधाज्ञा आगामी तारीख पेशी पर निरस्त मानी जावेगी। पत्रावली आईन्दा दिनांक 17.11.2025 को पेश हो।

सुरेश राव
उपखण्ड अधिकारी
अनूपगढ़

17/11/25 पत्रावली पढ़ा है। वकील प्रार्थी
दुपका भूमावली स. 1 नी जोर
से की सौमदत इचोपिया के
वकालतपत्र पेश किया। जो पूरा
बाद में जमाना किया गया।

पञ्जाबली गारुट वगैरह सा.पउ
फिांन ७/१२/२५ का पेरा अ

१२
७/२५

पञ्जाबली प्रस्तुत/वादी व प्रतिवादी वकील उप
वीमान P.O. साहब अन्य कार्य में व्यस्त है।
गत: पञ्जाबली आईन्दा दिनांक. १५/११/२६
को पेरा हो।

२०/१२/०६

प्रतिभा

साह पद पञ्जाबली गरील सावरी दादा
सा.पउ पेरा करे पर फेरी में जी गरी
गरील सावरी ने फिरेफन सिपा नि
एकरा में सावरी का लोक अदालत
से नामा से वाजीनामा से इका है
सावरी आगे एकरा में गेरे नामवादी
की करे यादता है अतः सावरी
के सा.पउ अहमर सा.पउ २१२
LTA रगारिहल सिपा जाल है पञ्जाबली
मिप्रमाहमर कारिबल पकल देगल दर्
गवर से करे अ

सुरेश राव
उपखण्ड अधिकारी
अनुपगढ़